International Journal of Humanities and Social Science Invention (IJHSSI)
ISSN (Online): 2319 – 7722, ISSN (Print): 2319 – 7714
www.ijhssi.org ||Volume 10 Issue 10 Ser. I ||October, 2021 || PP.49-55

श्री नरेन्द्र मोदी जी का जीवन परिचय

शोधार्थी
श्रीमती गुंजेश्वरी गुप्ता
शोध छात्रा राजनीति विज्ञान
शा. ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय एवं उत्कृष्टता केन्द्र रीवा (म.प्र)

निर्देशक
डॉ श्रीमती प्रीति पाण्डेय
प्राध्यापक राजनीति विज्ञान
शा. ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय एवं उत्कृष्टता केन्द्र रीवा (म.प्र)

श्री नरेंद्र मोदी जी ऐसी सख्शियत है, जो कि देश हो या विदेश सभी जगह प्रसिद्ध हैं. वर्तमान में श्री मोदी जी हमारे देश के 15 वें प्रधानमंत्री के रूप में कार्यरत है. सन 2014 और फिर 2019 के आम चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर मोदी जी ने ऐतिहासिक जीत हासिल की. ऐसा पूरे देश में मोदी लहर सी आ गई है, अधिकतर भारतीय मोदी जी पर पूर्ण विश्वास रखे है कि वो उन्हें उज्जवल भविष्य देंगें। स्वतंत्रता के बाद ऐसी जीत हासिल करने वाले ये भारत के पहले प्रधानमंत्री बने। लगातार दूसरी बार मोदी जी पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में आये है। प्रधानमंत्री बनने के पहले से लेकर बाद तक इन्होंने भारत देश के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किये. हालाँकि मोदी जी बहुत से विवादों में भी घिरे पाए गए हैं, लेकिन इनकी नीतियों की हमेशा प्रशंसा की जाती रही है. मोदी जी ने अपने जीवन में क्या–क्या महत्वपूर्ण कार्य किये हैं एवं इनका अब तक का जीवन कैसा रहा यह सभी बातें अपने शोध प्रबंध के माध्यम से इस अध्याय में प्रस्तुत कर रही हूँ।

नरेन्द्र मोदी की छवि एक कठोर प्रशासक और कड़े अनुशासन के आग्रही की मानी जाती है, लेकिन साथ ही अपने भीतर वे मृदुता एवं सामर्थ्य की अपार क्षमता भी संजोये हुए हैं। नरेन्द्र मोदी को शिक्षा–व्यवस्था में पूरा विश्वास है। एक ऐसी शिक्षा–व्यवस्था जो मनुष्य के आंतरिक विकास और उन्नति का माध्यम बने एवं समाज को अँधेरे, मायूसी और ग़रीबी के विष चक्र से मुक्ति दिलाये। विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नरेन्द्र मोदी की गहरी दिलचस्पी है। उन्होंने गुजरात को ई–गवर्न्ड राज्य बना दिया है और प्रौद्योगिकी के कई नवोन्मेषी प्रयोग सुनिश्चित किये हैं।'स्वागत ऑनलाइन' और 'टेलि फरियाद' जैसे नवीनतम प्रयासों से ई–पारदर्शिता आई है, जिसमें आम नागरिक सीधा प्रशासन के उच्चतम कार्यालय का संपर्क कर सकता है। जनशक्ति में अखण्ड विश्वास रखने वाले नरेन्द्र मोदी ने बखूबी क़रीब पाँच लाख कर्मचारियों की मज़बूत टीम की रचना की है। नरेन्द्र मोदी यथार्थवादी होने के साथ ही आदर्शवादी भी हैं। उनमें आशावाद कूटकूट कर भरा है। उनकी हमेशा एक उदात्त धारणा रही है कि असफलता नहीं, बल्कि उदेश्य का अनुदात्त होना अपराध है। वे मानते हैं कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता के लिए स्पष्ट दृष्टि, उद्देश्य या लक्ष्य का परिज्ञान और कठोर अध्यवसाय अत्यंत ही आवश्यक गुण हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का जीवन परिचय

माननीय नरेन्द्र मोदीजी का पूरा नाम नरेन्द्र दामोदरदास मोदी है। उनका जन्म 17 सितम्बर, 1950 ई० को गुजरात (तत्कालीन बॉम्बे राज्य) के महसाणा जिला स्थित वाडनगर ग्राम के अन्य पिछड़ा वर्ग के एक निर्धन परिवार में हुआ था। इनके पिता का नाम दामोदरदास मूलचन्द मोदी एवं माता का नाम हीराबेन मोदी है। बाल्यकाल से किशोरावस्था तक मोदीजी वाडनगर बस स्टैण्ड के पास अपने पिता की चाय की दुकान पर उनका हाथ बँटाते थे। मोदीजी को बाल्यकाल में अनेक विषम परिस्थितियों का सामना करना पड़ा, परन्तु उन्होंने हार न मानते हुए अपने उदात्त चरित्रदृबल और साहस से न केवल सभी बाधाओं को पार किया, वरन् सफलता के चरमशिखर तक भी पहुंचे। प्रारम्भिक शिक्षा नरेन्द्र मोदीजी ने अपनी प्रारम्भिक स्कूली शिक्षा वाडनगर से ही सन् 1967 ई० में पूर्ण की। वैवाहिक स्थिति नरेन्द्र मोदीजी की 13 वर्ष की आयु में ही जसोदा बेन चमनलाल के साथ सगाई और मात्र 17 वर्ष की आयु में विवाह कर दिया गया। विवाह के कुछ समय पश्चात् ही मोदी जी घर परिवार छोड़कर देश सेवा के मार्ग पर निकल पड़े। उच्च शिक्षा अपने दृढ़ संकल्प और परिश्रम का परिचय देते हुए नरेन्द्र मोदीजी ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का प्रचारक रहते हुए सन् 1983 ई० में गुजरात विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान विषय में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की।

नरेंद्र मोदी जी का शुरूआती जीवन

श्री नरेंद्र मोदी जी का जन्म गुजरात राज्य के मेहसाना जिले के एक छोटे टाउन वडनगर में हुआ. जब इनका जन्म हुआ था तब यह बॉम्बे में था किन्तु अब वर्तमान में यह गुजरात में स्थित है. श्री नरेंद्र मोदी के बारे में बात करें तो श्री नरेंद्र मोदी जी का बचपन बड़ी ही गरीबी में गुजरा। उनके पिता जी की चाय की दुकान थी और उनकी माँ दूसरों के घरों में बर्तन साफ किया करती थीं! दो वक्त का खाना भी बहुत मुश्किल से मिलता था। मोदी जी बहुत छोटे एवं कच्चे घर में उनका बचपन बीता। उनका जीवन बहुत संघर्ष वाला था उन्होंने अपने बचपन में ही बहुत उतार चढ़ाव देखे थे। वह बचपन से ही स्वामी विवेकानंद के विचारों को अपना आदर्श मानते थे। और उन्हें बचपन से ही पढ़ने का बहुत शोक था। कुछ पारिवारिक समस्या के कारण 1967 में 17 वर्ष की आयु में घर छोड़ दिया। श्री नरेंद्र मोदी जी के परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी, इनके पिता एक सड़क व्यापारी थे, जिन्होंने अपने परिवार का पालन पोषण करने के लिए काफी संघर्ष किया था. मोदी जी की माता एक गृहणी महिला है. मोदी जी ने बचपन में अपने परिवार का समर्थन करने के लिए अपने भाइयों के साथ रेलवे स्टेशन में और फिर बस टर्मिनल में चाय भी बेची. मोदी जी ने अपने बचपन के दिनों में ही कई कठिनाइयों और बाधाओं का सामना किया था, लेकिन अपने चरित्र और साहस की ताकत से उन्होंने सभी चुनौतियों को अवसरों में बदल दिया. इस तरह से इनका शुरूआती जीवन काफी संघर्षपूर्ण रहा था.
श्री नरेंद्र मोदी को अपने बाल्यकाल से कई तरह की विषमताओं एवं विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ा है, किन्तु अपने उदात्त चरित्रबल एवं साहस से उन्होंने तमाम अवरोधों को अवसर में बदल दिया, विशेषकर जब उन्होने उच्च शिक्षा हेतु कॉलेज तथा विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया। उन दिनों वे कठोर संघर्ष एवं दारुण मनःताप से घिरे थे, परन्तु अपने जीवन– समर को उन्होंने सदैव एक योद्धा– सिपाही की तरह लड़ा है। आगे क़दम बढ़ाने के बाद वे कभी पीछे मुड़ कर नहीं देखते, साथ–साथ पराजय उन्हें स्वीकार्य नहीं है। अपने व्यक्तित्व की इन्हीं विशेषताओं के चलते उन्होंने राजनीति शास्त्र विषय के साथ अपनी एम.ए की पढ़ाई पूरी की।

राजनीतिक जीवनः–

1984 में देश के प्रसिद्ध सामाजिक–सांस्कृतिक संगठन, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर.एस.एस) के स्वयं सेवक के रूप में उन्होंने अपने जीवन की शुरुआत की। यहीं उन्हें निस्वार्थता, सामाजिक दायित्वबोध, समर्पण और देशभक्ति के विचारों को आत्म सात करने का अवसर मिला। अपने संघ कार्य के दौरान श्री नरेंद्र मोदी ने कई मौकों पर महत्त्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं। फिर चाहे वह 1974 में भ्रष्टाचार के ख़लिाफ़ चलाया गया आंदोलन हो, या 19 महीने (जून 1975 से जनवरी 1977) चला अत्यंत प्रताड़ित करने वाला'आपात काल'हो।

भाजपा में प्रवेशः–

1987 में भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) में प्रवेश कर उन्होंने राजनीति की मुख्यधारा में क़दम रखा। सिर्फ़ एक साल के भीतर ही उनको गुजरात इकाई के प्रदेश महामंत्री (जनरल सेक्रेटरी) के रूप में पदोन्नत कर दिया गया। तब तक उन्होंने एक अत्यंत ही कार्यक्षम व्यवस्थापक के रूप में प्रतिष्ठा हासिल कर ली थी। पार्टी को संगठित कर उसमें नई शक्ति का संचार करने का चुनौतीपूर्ण काम भी उन्होंने स्वीकार कर लिया। इस दौरान पार्टी को राजनीतिक गति प्राप्त होती गई और अप्रैल, 1990 में केन्द्र में साझा सरकार का गठन हुआ। हालांकि यह गठबंधन कुछ ही महीनो तक चला, लेकिन 1995 में भाजपा अपने ही बलबूते पर गुजरात में दो तिहाई बहुमत हासिल कर सत्ता में आई।

नरेंद्र मोदी जी के परिवार का परिचय

मोदी जी का परिवार मोध या घांची समुदाय से है, जो कि भारत सरकार द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी से संबंध रखता है. नरेंद्र मोदी जी अपने माता–पिता की तीसरी संतान हैं. मोदी जी के बड़े भाई सोमा मोदी की उम्र वर्तमान में 75 वर्ष हैं, वे स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी रह चुके हैं. इनके दूसरे बड़े भाई अमृत मोदी एक मशीन ऑपरेटर हैं, जिनकी उम्र 72 साल है. इसके बाद मोदी जी के 2 छोटे भाई है, एक प्रहलाद मोदी जिनकी उम्र 62 साल हैं, वे अहमदाबाद में एक शॉप चलाते हैं, एवं दूसरे पंकज मोदी जो , कि गांधीनगर में सूचना विभाग में एक क्लर्क के रूप में कार्यरत हैं.

शादी के बाद वो दोनों साथ में कई वर्ष तक रहे और बाद में अलग अलग रहने लगे जिसमें केवल नरेंद्र मोदी की इच्छा थी। और कुछ लेखकों का कहना है की "उन दोनों की शादी जरूर हुई परन्तु वे दोनों कभी एक साथ नहीं रहे"। नरेन्द्र मोदी जी का विवाह मोदी जी का उनकी सगाई 13 वर्ष में जसोदा बेन से हो गयी थी और उनकी शादी 18 वर्ष की उम्र में घांची समुदाय की परम्पराओं के अनुसार सन 1968 में जशोदा बेन के साथ हुआ. पुस्तकों से प्राप्त साक्ष्य की आधार पर कहा गया है कि मोदी जी का अपनी पत्नी से तलाक़ नहीं हुआ था, लेकिन फिर भी वे दोनों एक–दूसरे से अलग हो गए. मोदी जी की पत्नी जशोदा बेन गुजरात के एक सरकारी स्कूल में शिक्षिका के रूप में कार्य किया करती थी, जोकि अब रिटायर हो चुकी हैं. नरेन्द्र मोदी जी की कोई संतान नहीं है. शादी के कुछ दिन बाद ही अलग हो गए थे. नरेन्द्र मोदी जी का घर दिल्ली में जिसका नाम पंचवटी है, वैसे वे गुजरात के रहने वाले है. उनका मानना है कि एक शादीशुदा के मुकाबले बिना शादी वाला व्यक्ति भ्रष्टाचार से ज्यादा लड़ सकता है क्योंकि उसे अपनी पत्नी और बच्चों की कोई चिंता नहीं रहती है और वो भ्रष्टाचार के खिलाफ आसानी से लड़ सकता है और तो और उन्होंने शपथ पत्र दिखा कर, जसोदा बेन को अपनी पत्नी स्वीकारा है।

नरेंद्र मोदी जी की शिक्षा एवं शुरुआती करियर

नरेंद्र मोदी जी की शुरूआती शिक्षा वडनगर के स्थानीय स्कूल से पूरी हुई, उन्होंने वहां सन 1967 तक अपनी हायर सेकेंडरी तक की पढ़ाई पूरी कर ली थी. उसके बाद उनके परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी न होने के कारण उन्होंने अपना घर छोड़ दिया था, और फिर उन्होंने पूरे भारत में भ्रमण कर विविध संस्कृतियों की खोज की। इसके लिए मोदी जी ने उत्तर भारत में स्थित ऋषिकेश एवं हिमालय जैसे स्थानों का दौरा किया. उत्तर पूर्व के हिस्सों में दौरा करने के 2 साल बाद वे भारत लौटे. इस तरह से मोदी जी ने अपनी स्कूली पढ़ाई पूरी करने के बाद कुछ साल तक अपनी आगे की पढ़ाई नहीं की। फिर मोदी जी ने सन 1978 में अपनी उच्च शिक्षा के लिए भारत के दिल्ली यूनिवर्सिटी में एवं उसके बाद अहमदाबाद में गुजरात यूनिवर्सिटी में दाखिला लिया. वहां उन्होंने राजनीति विज्ञान में क्रमशः स्नातक एवं स्नातकोत्तर किया ।एक बार मोदी जी के एक शिक्षक ने बताया था, कि मोदी जी पढ़ाई में सामान्य थे, किन्तु वे पुस्तकालय में ज्यादातर अपना समय बिताया करते थे. उनकी वाद–विवाद की कला बेहतरीन थी।

नरेंद्र मोदी जी के राजनीतिक करियर की शुरुआत

अपनी कॉलेज की पढ़ाई के बाद मोदी जी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में शामिल हो कर पूर्ण कालिक प्रचारक के रूप में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) जोकि एक हिन्दू राष्ट्रवादी राजनीतिक दल हैं में शामिल होने के लिए अहमदाबाद गये. सन 1975– 77 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लगाये गये राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ में प्रतिबंध लगा दिया गया था. जिसके कारण मोदी जी को उस समय अंडरग्राउंड होने के लिए मजबूर होना पड़ा एवं गिरफ़्तारी से बचने के लिए भेस बदल कर यात्रा किया करते थे। आपातकाल के विरोध में मोदी जी काफी सक्रिय रहते थे। उन्होंने उस समय सरकार का विरोध करने के लिए पर्चे के वितरण सहित कई तरह के हथकंडे अपनाये. इससे उनका प्रबंधकीय, संगठनात्मक और लीडरशिप कौशल सामने आया. इसके बाद नरेन्द्र मोदी राजनीतिक कार्यकर्ता के रूप में राजनीति में शामिल हो गये. इन्हें आरएसएस में लेखन का काम सौंपा गया था।

सन 1985 में आरएसएस द्वारा मोदी जी ने भारतीय जनता पार्टी यानि बीजेपी पार्टी में सम्मिलित होने के बारे में सोचा. सन 1987 में नरेंद्र मोदी जी पूरी तरह से बीजेपी में शामिल हो गए, और पहली बार उन्होंने अहमदाबाद नगरपालिका चुनाव में भाजपा के अभियान को व्यवस्थित करने में मदद की, इसमें भाजपा की जीत हुई।

सन 1987 में नरेंद्र मोदी जी का भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने के बाद रैंक के माध्यम से तेजी से उदय हुआ, क्योंकि वे एक बहुत ही बुद्धिमानी व्यक्ति थे. उन्होंने व्यवसायों, छोटे सरकारी एवं हिन्दू मूल्यों के निजीकरण को बढ़ावा दिया. इसी साल इन्हें पार्टी के गुजरात ब्रांच के महासचिव के रूप में चुना गया।

सन 1990 में एल के आडवानी जी की अयोध्या रथ यात्रा के संचालन में मदद करने के बाद पार्टी के भीतर मोदी जी की क्षमताओं को मान्यता मिली, जो उनका पहला राष्ट्रीय स्तर का राजनीतिक कार्य बन गया. उसके बाद सन 1991–92 में मुरली मनोहर जोशी की एकता यात्रा हुई. मोदी जी ने सन 1990 में गुजरात विधानसभा चुनावों के बाद गुजरात में भाजपा की उपस्थिति को मजबूत करने में एक प्रमुख भूमिका निभाई थी. सन 1995 के चुनावों में पार्टी ने 121 सीटें जीतीं, जिससे गुजरात में पहली बार भाजपा की सरकार बनी. पार्टी थोड़ी समय के लिए सत्ता में रही, जो सितंबर 1996 में समाप्त हो गई. सन 1995 में मोदी जी को हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में गतिविधियों को संभालने के लिए भाजपा का राष्ट्रीय सचिव चुना गया, और वे नई दिल्ली में स्थानांतरित हो गए. सन 1998 में जब भाजपा में आंतरिक लीडरशिप विवाद चल रहा था, तब मोदी जी ने उस दौरान भाजपा की चुनाव जीत का मार्ग प्रशस्त किया, जिससे विवादों को सुलझाने में सफलतापूर्वक मदद मिली. इसके बाद इसी साल मोदी जी महासचिव नियुक्त किये गये. इस पद में वे सन 2001 तक कार्यरत थे. उस दौरान मोदी जी को विभिन्न राज्यों में पार्टी संगठन को फिर से लाने की जिम्मेदारी सफलतापूर्वक निभाने का श्रेय दिया गया था. 7 अक्टूबर की तारीख प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन की महत्वपूर्ण तारीख है। 15 साल पहले आज ही दिन उन्होंने गुजरात राज्य की बागडोर थामी थी। इन 15 सालों में साबरमती नदी का बहुत सा पानी बह गया। गुजरात के रास्ते से मोदी दिल्ली पहुंच गए। करीब 30 साल के 'गठबंधन युग' के बाद पहली बार देश में पूर्ण बहुमत की सरकार बनी है। इसका पूरा श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया जाता है।

7 अक्टूबर 2001 को ली थी पहली बार मुख्यमंत्री पद की शपथ

भूकंप के बाद राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री केशुभाई पटेल के खिलाफ असंतोष भड़कने लगा था। तब उनके स्थान पर नरेंद्र मोदी को बिठाया गया। 1996 में शंकर सिंह के खिलाफ बगावत के बाद गुजरात में मोदी के पुनरागमन की बात असंभव लगती थी। पांच साल में ही मोदी गुजरात के नाथ बनकर वापस आए। पार्टी में बगावत की धमकी देने वाले केशुभाई और मोदी के हाथ के नीचे काम करने से इंकार करने वाले सुरेश भाई मेहता तथा गुजरात भाजपा के तत्कालीन अध्यक्ष राजेंद्र सिंह राणा मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में उन्हें चुनौती देने के लिए तैयार हो गए थे। इस दौरान अपने भाषण में मोदी ने कहा– मैं खुशनसीब अर्जुन हूं कि मुझे दो–दो कृष्ण (केशुभाई–सुरेशभाई) मिले हैं। इससे उन्होंने दोनों के बीच संतुलन स्थापित करने की एक छोटी सी कोशिश की। सभी को ऊपर से आदेश था कि मोदी का सहयोग करो। वल्लभ भाई कथिरिया, सूरत के दिग्गज नेता काशीराम राणा भी मुख्यमंत्री पद के दावेदार थे। सौराष्ट्र के केशुभाई का विकल्प माने जाने वाले तत्कालीन वित्त मंत्री वजू भाई वाला ने उनके लिए राजकोट 2 की सीट खाली कर दी। मोदी के लिए यह सेफ सीट थी। जहां से वे अपेक्षा से अधिक वोटों से विजय प्राप्त की।

शपथ ग्रहण समारोह में तत्कालीन रक्षा मंत्री जार्ज फर्नाण्डीस, गृहमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह समेत कई नेता उपस्थित थे। समारोह में भाजपा के 50 हजार कार्यकर्ता भी उपस्थित थे। राज्यपाल सुंदर सिंह भंडारी ने मोदी को शपथ दिलाई। वर्ष 2002 के दिसम्बर में गुजरात में विधानसभा चुनाव हुए। 42 महीने कार्यभार संभालने के बाद केशुभाई ने केवल 18 महीने के लिए नरेंद्र मोदी को पदभार सौंपा था। सभी यही समझ रहे थे कि मोदी आगामी चुनाव नहीं जीत पाएंगे। क्योंकि सौराष्ट्र में केशुभाई पटेल और वल्लभ कथिरिया, दक्षिण गुजरात में कांशीराम राणा उनके लिए परेशानी खड़ी कर सकते थे। इस दौरान गोधरा कांड हो गया। 58 लोग मारे गए। उसके बाद की हिंसा में 1200 लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया। पूरा माहौल गर्मा गया। मोदी पर कई तरह के आरोप लगे। पर इसका पूरा फायदा भाजपा ने उठाया और नरेंद्र मोदी एक बार फिर गुजरात के मुख्यमंत्री बन गए।

अमित शाह–सौरभ पटेल पहली बार मंत्री बने

22 दिसम्बर 2002 को अहमदाबाद के सरदार पटेल स्टेडियम में मोदी का भव्य शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी भी उपस्थित थे। इसके अलावा लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, जे. जयललिता, बाबूलाल मरांडी, ओमप्रकाश चौटाला, वेकैया नायडू भी उपस्थित थे। इसके बाद अमित शाह और सौरभ पटेल को पहली बार मंत्री बनाया गया। इस चुनाव में भाजपा को 182 में 127 सीटें मिली थी। कांग्रेस को 51 सीटें मिली थी। इसके बाद 2007 और 2012 में भी मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने विजय का परचम फहराया।

2012 के दौरान केंद्र में कांग्रेस गठबंधन की सरकार थी। इस दौरान 1.76 लाख् करोड़ का टेलिकॉम घोटाला था 1.80 लाख करोड़ का कोयला घोटाला हुआ। देश में निराशा का वातावरण फैल गया था। तब नरेंद्र मोदी ने देश भर में तूफानी दौरा किया। कई स्थानों पर जनसभा को संबोधित किया। उनकी वक्तृत्व कला से लोग प्रभावित हुए बिना नहीं रह पाए। कई साक्षात्कार दिए। उसके बाद उन्होंने इतिहास ही रच दिया। उनके नेतृत्व ने भाजपा ने लोकसभा चुनाव में विजयश्री प्राप्त की। देश में 30 सालों बाद पहली बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनी। इस चुनाव में कांग्रेस को केवल 44 सीटें ही मिल पाई। 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री पद के शपथ ग्रहण समारोह में उन्होंने कूटनीति का परिचय देते हुए सार्क नेताओं समेत पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को भी आमंत्रित किया।

मोदी उस समय दुबले नहीं थे, न ही मोटे थे। 51 साल की उम्र में काली दाढ़ी के बीच थोड़े से सफेद बाल आ गए। उमर का असर दिखाई देने लगा और माथे और दाढ़ी के बाल सफेद हो गए। अधिकांश समय सादा कुर्ता पहनने वाले मोदी अब अपने नाम का मोनाग्राम वाला सूट पहनते हैं। इसकी कीमत 9 से 10 लाख रुपए मानी जाती है। प्रधानमंत्री बनने के बाद अब वे बंद गले वाले कपड़े ही पहनते हैँ।

1990 के दशक में नरेंद्र मोदी जब भाजपा के महासचिव थे, उस समय उनकी इमेज मीडिया फ्रेंडली की थी। दिल्ली में रहते, तो एकदम शार्ट नोटिस में टीवी स्टूडियो पहुंच जाते और डिबेट में भाग लेते या लगभग सभी विषयों पर साउंड बाइट्स देते। पत्रकारों के साथ चाय–पानी आदि सामान्य और नियमित क्रम रहता। आज प्रधानमंत्री नोट सो मीडिया फ्रेंडली नेता बन गए हैं। वे अब मीडिया को साउंड बाइट्स या इंटरव्यू नहीं देते। अब मीडिया को उनके सवालों का जवाब नहीं मिलता। उन्हें जो कुछ कहना होता है, तो वे फेसबुक या फिर ट्विटर के माध्यम से अपनी बात कह देते हैँ।

वर्ष 2001 में संघ के कार्यकर्ता से प्रगति कर वे गुजरात के मुख्यमंत्री पद पर पहुंचे थे। आज मोदी जी भाजपा के सबसे खिले हुए कमल हैं। उनकी सफलता का रेशियो अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, स्व. भैरोसिंह शेखावत आदि भाजपा नेताओं से भी अधिक ऊंचा है। अभी भी उनका कद बढ़ ही रहा ळें

नरेंद्र मोदी जी गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में

नरेंद्र मोदी जी ने पहली बार सन 2001 में विधान सभा चुनाव लड़ा, और राजकोट में 2 में से एक सीट जीती. जिसके बाद वे गुजरात के मुख्यमंत्री बन गए. दरअसल उस समय केशुभाई पटेल का स्वास्थ्य ख़राब हो गया था और दूसरी तरफ उपचुनाव में भाजपा राज्य की कुछ विधानसभा सीटें हार गई थी. जिसके बाद बीजेपी की राष्ट्रीय लीडरशिप केशुभाई पटेल के हाथ से लेकर मोदी जी को थमा दी गई थी और उन्हें गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार सौंपा गया.7 अक्टूबर सन 2001 को मोदी जी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की. इसके बाद उनकी एक के बाद एक जीत निश्चित होती चली गई. सबसे पहले उन्होंने 24 फरवरी 2002 में राजकोट के 'द्वितीय निर्वाचन क्षेत्र' के लिए उपचुनाव जीता. उन्होंने कांग्रेस के अश्विन मेहता को 14,728 वोटों से हराया।

सन 2002 में गुजरात दंगे में नरेंद्र मोदी को मिली 'क्लीन चिट

नरेंद्र मोदी जी के उपचुनाव जीतने के 3 दिन बाद गुजरात में सांप्रदायिक हिंसा की एक बहुत बड़ी घटना हुई, जिसके परिणामस्वरुप 58 लोगों की हत्या कर दी गई थी. क्योंकि उस समय गोधरा के पास सैकड़ों यात्रियों से भरी एक ट्रेन में जिसमे ज्यादातर हिन्दू यात्री थे, उसमें आग लगा दी गई थी। यह घटना मुस्लिमों के विरोध में घटित हुई थी. जिससे यह पूरे गुजरात में फैल गया. और गुजरात में सांप्रदायिक रूप से दंगे होने लगे. इस दंगे में लगभग 900 से 2,000 लोगों को अपनी जान गवानी पड़ी थी। उस दौरान राज्य में मोदी जी की सरकार थी, जिसके कारण उन पर इस दंगे को फ़ैलाने का आरोप लगाया गया था. मोदी जी पर लगाये गये आरोप के चलते उन पर चारों तरफ से दबाव बढ़ गया था, जिसके कारण उन्हें अपने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था. इसलिए मोदी जी का उस समय गुजरात के मुख्यमंत्री का कार्यकाल केवल कुछ महीनों का ही बस था. फिर सन 2009 में इससे संबंधित सुप्रीमकोर्ट ने एक दल बनाया, जोकि इस मामले की जाँच करने के लिए बनाया गया था. इस दल का नाम एसआईटी था. इस दल ने पूरी तरह से जाँच करने के बाद सन 2010 में सुप्रीम कोर्ट में एक रिपोर्ट पेश की, जिसमें मोदी जी को इस मामले में ग्रीन सिग्नल दे दिया गया. हालाँकि सन 2013 में इस जाँच दल के ऊपर आरोप लगाया गया, कि उन्होंने मोदी जी के खिलाफ मिले सबूतों को छिपाया है।

दूसरी बार मुख्यमंत्री के रूप में

जब मोदी जी को कोर्ट से क्लीन चिट मिल गई, तो उन्हें फिर से गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में नियुक्त कर दिया गया था. मोदी जी के दोबारा गुजरात के मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने राज्य के विकास के लिए कार्य करने शुरू कर दिए। इससे राज्य में काफी परिवर्तन भी आये. उन्होंने गुजरात राज्य में टेक्नोलॉजी और वित्तीय पार्क्स का निर्माण किया. सन 2007 में मोदी जी ने वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन में गुजरात में 6,600 अरब रूपये के रियल स्टेट निवेश सौदों पर हस्ताक्षर किये. इसके बाद इस साल जुलाई में नरेंद्र मोदी जी ने मुख्यमंत्री के रूप में लगातार 2,063 दिन पूरे कर लिए थे, जिसके चलते उन्होंने सबसे अधिक दिनों तक गुजरात के मुख्यमंत्री पद को संभालने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

तीसरी बार मुख्यमंत्री के रूप में

मोदी जी का यह रिकॉर्ड आगे भी कायम रहा, सन 2007 में हुए गुजरात विधानसभा चुनाव में मोदी जी ने दोबारा जीत हासिल की और वे वहां के तीसरी बार मुख्यमंत्री बन गये. इस कार्यकाल के दौरान मोदी जी ने राज्य में आर्थिक विकास के बारे में अधिक ध्यान दिया, और साथ ही निजीकरण पर भी ध्यान केन्द्रित किया. उन्होंने भारत को आकार देने के लिए ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग एपीसेंटर के रूप में अपनी नीतियों को प्रोत्साहित किया. मोदी जी के मुख्यमंत्री बनने के इस कार्यकाल में गुजरात में कृषि विकास दर में काफी वृद्धि हुई थी. इसकी वृद्धि इतनी थी, कि यह भारत के अन्य राज्यों की तुलना में काफी विकासशील राज्य बन गया था. मोदी जी ने ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की सप्लाई की व्यवस्था की जिससे कृषि को बढ़ाने में मदद मिली. सन 2011 से 2012 के बीच में मोदी जी ने गुजरात में सद्भावना/गुडविल मिशन शुरू किया. जोकि राज्य में मुस्लिम समुदाय तक पहुंचने के लिए शुरू किया गया था. मोदी जी ने कई उपवास भी किये और उनका मानना था कि यह कदम गुजरात की शांति, एकता और सद्भावना के माहौल को और अधिक मजबूत करेगा।

चौथी बार मुख्यमंत्री के रूप में

सन 2012 में मोदी जी का तीसरी बार मुख्यमंत्री का कार्यकाल समाप्त हो गया. और इस साल फिर से गुजरात में विधानसभा चुनाव आयोजित हुए. और हर साल की तरह इस साल भी मोदी जी ने ही जीत हासिल की और उन्हें चौथी बार भी गुजरात के मुख्यमंत्री का पदभार संभालने के लिए नियुक्त कर दिया। इसलिए मोदी जी को राज्य में समृद्धि और विकास लाने का श्रेय दिया गया. इसके चलते गुजरात सरकार के प्रमुख के रूप में उस दौरान मोदी जी ने एक सक्षम शासक के रूप में अपनी पहचान बना ली थी. उन्हें राज्य की अर्थव्यवस्था के तेजी से विकास के लिए भी श्रेय दिया जाता है. इसके अलावा मोदी जी को उनकी और उनकी पार्टी के चुनावी प्रदर्शन में सबसे आगे रखा गया, क्योंकि वे न केवल पार्टी के सबसे प्रतिभाशाली नेता थे, बल्कि उनके अंदर प्रधानमंत्री के उम्मीदवार के रूप में प्रतिभा थी. हालाँकि कुछ लोगों का मानना था, कि राज्य लोगों के विकास, शिक्षा, पोषण और गरीबी मिटाने में बहुत अच्छी रैंक पर नहीं है. लेकिन फिर भी उनके कार्यों एवं उनकी नीतियों के कारण लोग उन्हें पसंद करते थे।

मुख्यमंत्री होने के बाद मोदी जी ने गुजरात में विकास किया व उनकी योजना निम्नलिखित हैं।

- पंचामृत योजना ⇒ राज्य के एक जुट विकास की योजना।
- सुजलाम सुफलाम ⇒ राज्य में जलस्रोतों का उचित व् बिना बर्बाद किये उपयोग, जिससे जल बर्बाद न हो।
- कृषि महोत्सव ⇒ उपजाऊ भूमि के लिए शोध प्रयोगशालाएं।
- चिरंजीवी योजना ⇒ जन्म लेने वाले बच्चे की मृत्युदर में कमी लाने के लिए।
- माँ वंदना ⇒ जच्चा–बच्चा के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए।
- बेटी बचाओ ⇒ भ्रूण हत्या व लिंगानुपात पर अंकुश हेतु।
- ज्योतिग्राम योजना ⇒ प्रत्येक गाँव में बिजली पहुँचाने के लिए।
- कर्मयोगी अभियान ⇒ सरकारी कर्मचारियों में अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठा जगाने के लिए।

मोदी ने आदिवासियों के लिए विकास किये

- पांच लाख लोगों के परिवार को रोजगार
- ऊँचे स्तर पर शिक्षा की गुणवत्ता
- आर्थिक विकास
- स्वास्थय
- आवास
- साफ स्वच्छ पीने का जल
- सिंचाई
- सब जगह बिजली
- प्रत्येक मौसम में सड़क मार्ग की उपलब्धता
- शहरी विकास

नरेंद्र मोदी जी की सन 2014 के आम चुनाव में भूमिका

नरेंद्र मोदी जी के चौथी बार गुजरात के मुख्यमंत्री बनने के एक साल बाद जून में उन्हें भारतीय जनता पार्टी का अध्यक्ष बना दिया गया. और वे इस तरह से सन 2014 में होने वाले आम चुनाव में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में दिखाई दिए. जिसके चलते मोदी जी को अपना गुजरात का मुख्यमंत्री पद त्यागना पड़ा. हालांकि उस दौरान लाल कृष्ण आडवाणी जी के साथ बीजेपी के कुछ सदस्यों ने इस चीज का विरोध किया था. किन्तु फिर भी मोदी जी ने उस दौरान वाराणसी और वडोदरा दोनों सीटों पर जीत हासिल की थी. और आने वाले आम चुनाव में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में अपनी जगह बना ली थी।

इस चुनाव के दौरान मोदी जी ने पूरे देश में लगभग 437 चुनावी रैलियां की, इन रैलियों में मोदी जी ने कई सारे मुद्दों को जनता के सामने रखा, जिससे जनता ने प्रभावित होकर बीजेपी को वोट दिया. फिर सन 2014 के आम चुनाव में बीजेपी की जीत एक ऐतिहासिक जीत बन गई थी. इस साल बीजेपी ने पूर्ण बहुमत के आधार पर 534 में से 282 सीटें अपने नाम की. और इस तरह से नरेंद्र मोदी जी भारत के प्रधानमंत्री के रूप में एक नया चेहरा बन गये।

नरेंद्र मोदी जी प्रधानमंत्री के रूप में

प्रधानमंत्री पद के लिए जीत हासिल करने के बाद 26 मई 2014 को नरेंद्र मोदी जी ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ग्रहण की और इस तरह से वे देश के 14 वें प्रधानमंत्री नियुक्त हो गये. नरेंद्र मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद लोगों को उनसे काफी उम्मीदें होने लगी.

प्रधानमंत्री के रूप में मोदी जी ने भारत में कई विकास कार्य किये. उन्होंने विदेशी व्यवसायों को भारत में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया. मोदी जी ने विभिन्न नियमों, परमिट्स और इंस्पेक्शन लागू किये, जिससे कि व्यवसाय अधिक एवं आसानी से बढ़ सके. मोदी जी ने सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों पर कम खर्च किया, और स्वास्थ्य सेवा की तरफ अधिक ध्यान केन्द्रित किया. इसके अलावा मोदी जी ने हिंदुत्व, रक्षा, पर्यावरण एवं शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए भी कई कार्य किये।

लोकसभा चुनाव 2019 में नरेन्द्र मोदी जी एक बार फिर प्रधानमंत्री बने

2019 लोकसभा चुनाव में मोदी जी दूसरी बार फिर से भारत देश के प्रधानमंत्री बने. मोदी क्रांति ने दुसरे दलों को बहुत पीछे छोड़ दिया. नरेन्द्र मोदी जी की पूर्ण बहुमत के साथ 303 सीट प्राप्त कर अभूतपूर्व जीत हुई. भारत के इतिहास में पहली बार है कि किसी नेता ने लगातार दूसरी बार पूर्ण बहुमत के साथ इतनी बड़ी जीत हासिल की है. भारत की जनता ने इस बार अपना प्रधानमंत्री खुद चुना है, और सबने मोदी जी पर पूर्ण विश्वास दिखाया है. मोदी लहर कहो या मोदी क्रांति, इस बार भारत के ये लोकसभा चुनाव पूरी दुनिया में छाए रहे. मोदी की वाहवाही चारों और थी. नरेन्द्र मोदी जी के पिछले पांच सालों के काम से जनता बहुत खुश थी, जिसके चलते जनता उन्हें एक बार और मौका देना चाहती थी. उन्नत भारत के लिए लोगों को मोदी जी से बहुत उम्मीद है. मोदी जी ने भी कहा "सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास = विजयी भारत". मोदी जी ने इस जीत को बीजेपी कार्यकर्ताओं की मेहनत का फल बोला. मोदी जी प्रधानमंत्री के रूप में अगली पारी शुरू कर रहे है, हमें उम्मीद है कि पिछली बार की तरह वे पुरे देशवासियों की उम्मीद में खरे उतरेंगें, और भारत देश को नई ऊँचाइयों में ले जायेंगें।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा शुरू की गई महत्वपूर्ण योजनायें

सन 2014 से लेकर अब तक के कार्यकाल में मोदी जी ने कई महत्वपूर्ण योजनायें एवं पहलों की शुरुआत की. जिनमें से कुछ के बारे में जानकारी इस प्रकार है–

स्वच्छ भारत अभियान :–

यह अभियान भारत का बड़े स्तर पर शुरू किया गया अभियान है, जिसके अंतर्गत देश में स्वच्छता और ग्रामीण क्षेत्रों में लाखों शौचालय का निर्माण किया गया.

प्रधानमंत्री जन धन योजना :–

यह योजना देश के किसानों के बैंकों में खाते खुलवाने के लिए शुरू की गई थी. जिसके तहत किसानों के मुफ्त में खाते खोले गए एवं किसानों को दी जाने वाली सहायता उनके बैंक खाते में जमा की गई।

प्रधानमंत्री उज्जवाला योजना :–

इस योजना के तहत गरीब परिवार की महिलाओं को सम्मान देते हुए उन्हें एलपीजी गैस सिलिंडर प्रदान किये गये।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना :–

इस योजना के तहत फसलों की अच्छी तरह से सिंचाई हो सकें एवं कृषि कार्य को बेहतर दिशा मिल सके. इसलिए इस योजना की शुरुआत की गई।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना :–

इस योजना में फसल के लिए किसानों को बीमा प्रदान किया गया. ताकि यदि उनकी फसलें प्राकृतिक आपदाओं के कारण ख़राब हो जाती है तो उन्हें बीमा का पैसा मिल सके।

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना :–

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत युवाओं के कौशल के विकास के लिए उन्हें प्रशिक्षण देने की सुविधा दी गई।

मेक इन इंडिया :–

प्रधानमंत्री मोदी जी ने सत्ता में आने के बाद कुछ बहुत ही अहम अभियान चलाये, उन्हीं में से एक 'मेक इन इंडिया' अभियान था. जिसके तहत मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को प्रोत्साहित कर उनके विकास के लिए कार्य किये गये।

गरीब कल्याण योजना :–

इस योजना के तहत गरीबों के कल्याण एवं उन्हें बेहतर सुविधा प्रदान करने के लिए कार्य किया गया।

सुकन्या समृद्धि योजना :–

इस योजना को शुरू करने का प्रधानमंत्री जी का उद्देश्य छोटी बच्चियों के सशक्तिकरण के लिए उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करना था।

प्रधानमंत्री आवास योजना :–

इस योजना के अंतर्गत गरीबों को किस्तों के आधार पर खुद का घर बनने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

डिजिटल इंडिया प्रोग्राम :–

प्रधानमंत्री जी ने इस प्रोग्राम को शुरू कर देश में अर्थव्यवस्था को डिजिटल करने के लिए प्रेरित किया. इसके साथ ही उन्होंने लोगों से भी डिजिटल टेक्नोलॉजी का उपयोग करने के लिए अपील की।

इस तरह से नरेंद्र मोदी जी ने अपने अब के कार्यकाल में और भी कई अन्य महत्वपूर्ण योजनायें एवं अभियान जैसे नमामि गंगे, बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजना, सर्व शिक्षा अभियान, स्टैंड अप इंडिया आदि चलायें, जोकि पूरी तरह से देश के विकास के लिए थे।

नरेंद्र मोदी जी के मुख्य कार्य

गुजरात के मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री दोनों के रूप में मोदी जी ने कई सारे महत्वपूर्ण फैसले लिए, एवं इनके कार्यकाल में लिए गये कुछ फैसलों की जानकारी इस प्रकार है–

भूमिजल संरक्षण प्रोजेक्ट :–

गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उनके शासन के दौरान सरकार ने भूमिजल संरक्षण प्रोजेक्ट के निर्माण का समर्थन किया. इससे बीटी कॉटन की खेती में मदद मिली, जिससे नल कूपों से सिंचाई की जा सकती थी. इस तरह से गुजरात बीटी कॉटन का सबसे बड़ा उत्पादक बन गया।

नोटबंदी :–

प्रधानमंत्री के कार्यकाल के दौरान मोदी जी ने नोटबंदी जैसा बहुत ही अहम फैसला लिया. जिसके तहत मोदी जी ने 500 एवं 1000 के पुराने नोट बंद कर दिये एवं इसके स्थान पर 2000 एवं 500 के नये नोट जारी किये. यह मोदी जी द्वारा लिया गया एक ऐतिहासिक फैसला था।

जीएसटी :–

नरेंद्र मोदी जी ने नोटबंदी करने के बाद देश में जितने भी टैक्स लगाये जाते थे, उन्हें एक साथ सम्मिलित कर दिया और एक टैक्स जीएसटी यानि गुड्स एंड सर्विस टैक्स लागू किया।

सर्जिकल स्ट्राइक :–

प्रधानमंत्री मोदी जी ने 2016 में उरी हमले के बाद पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए भारतीय सेना के साथ मिलकर सर्जिकल स्ट्राइक करने के फैसला लिया।

एयर स्ट्राइक–

इसके बाद उन्होंने साल 2019 में फरवरी में हुए पुलवामा हमले के बाद देश के सभी सुरक्षा बलों को पाकिस्तान के खिलाफ किसी भी प्रकार का एक्शन लेने के लिए खुली छूट दे दी, जोकि बहुत ही बड़ा ऐलान था. इसके बाद फरवरी में ही वायुसेना द्वारा एयर स्ट्राइक की गई थी।

ऊपर दिए हुए मुख्य कार्यों के अलावा प्रधानमंत्री जी खाते में आने वाले कुछ अन्य कार्य जैसे 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' की शुरुआत, गुजरात में 'स्टेचू ऑफ़ लिबर्टी' का निर्माण, राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का निर्माण आदि भी है. इसके अलावा विदेशी निवेशों के साथ मिलकर भारत में बुलेट ट्रेन लाने जैसे कार्यों में भी मोदी जी ने अपनी अहम भूमिका निभाई है. इन सभी के साथ ही मोदी जी ने पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को मजबूत करने और दुनिया के अन्य देशों के साथ संबंधों को सुधारने के लिए बहुत बड़ा संकल्प भी दिखाया है।

नरेंद्र मोदी जी की उपलब्धियां

नरेंद्र मोदी जी ने अपने अभी तक के जीवन में निम्न उपलब्धियां हासिल की हैं–

- सन 2007 में इंडिया टुडे मैगज़ीन द्वारा किये गये एक सर्वे में मोदी जी को देश के सर्वश्रेष्ठ मुख्यमंत्री के रूप में नामित किया गया था।
- सन 2009 में एफडी मैगज़ीन में उन्हें एफडीआई पर्सनालिटी ऑफ़ द ईयर पुरस्कार के एशियाई विजेता के रूप में सम्मानित किया गया।
- इसके बाद मार्च सन 2012 में जारी टाइम्स एशियाई एडिशन के कवर पेज पर मोदी जी की फोटो छापी गई थी।
- सन 2014 में मोदी जी का नाम फोर्ब्स मैगज़ीन में दुनिया के सबसे शक्तिशाली लोगों की सूची में 15 वें स्थान पर रहा. इसी साल टाइम्स ऑफ़ इंडिया द्वारा दुनिया के 100 सबसे शक्तिशाली लोगों में भी मोदी जी का नाम सूचीबद्ध किया गया था।
- सन 2015 में ब्लूमबर्ग मार्केट मैगज़ीन में मोदी जी का नाम दुनिया के 13 वें सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों में था. और साथ ही इन्हें इसी साल टाइम मैगज़ीन द्वारा जारी इन्टरनेट सूची में ट्विटर और फेसबुक पर 30 सबसे प्रभावशाली लोगों में दूसरे सबसे अधिक फॉलो किये जाने वाले राजनेता के रूप में इन्हें नामित किया गया था।
- सन 2014 एवं 2016 में मोदी जी का नाम टाइम मैगज़ीन के पाठक सर्वे के विजेता के रूप में घोषित किया गया था।
- साल 2016 में ही अप्रैल माह की 3 तारीख को मोदी जी को सऊदी अरबिया का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार अब्दुलाज़िज़ अल सऊद के आदेश पर दिया गया था. एवं 4 जून को अफ़गानिस्तान के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार घाज़ी आमिर अमानुल्लाह खान के राज्य आदेश पर दिया गया था।
- साल 2014, 2015 एवं 2017 में भी मोदी जी का नाम टाइम मैगज़ीन में दुनिया के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों में शामिल था. एवं सन 2015, 2016 एवं 2018 को फोर्ब्स मैगज़ीन में दुनिया के 9 सबसे शक्तिशाली लोगों में शामिल था।
- 10 फरवरी, सन 2018 में इन्हें विदेशी डिग्निटरीस के लिए पलेस्टाइन का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'पलेस्टाइन राज्य के ग्रैंड कोलार' के साथ सम्मानित किया गया था।
- 27 सितंबर, 2018 को नरेंद्र मोदी जी को चैंपियंस ऑफ़ अर्थ अवार्ड प्रदान किया गया था, जोकि यूनाइटेड नेशन का सर्वोच्च पर्यावरण सम्मान है, और यह अवार्ड 5 अन्य व्यक्तियों और संगठनों को भी प्रदान किया गया था, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय सोलर अलायंस की लीडरशिप के लिए और सन 2022 तक प्लास्टिक के उपयोग को खत्म करने के लिए संकल्प लिया था।
- साल 2018 में ही 24 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय सहयोग और ग्लोबल आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए मोदी जी के योगदान के लिए उन्हें सीओल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
- इस साल 22 फरवरी, सन 2019 को मोदी जी ने प्रतिष्ठित सीओल शांति पुरस्कार 2018 प्राप्त किया. और साथ ही मोदी जी का नाम दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य सेवा योजना शुरू करने के लिए इस साल के 'नॉबेल शांति पुरस्कार' के लिए भी नामांकित किया गया है.

इस तरह से मोदी जी ने अपने मुख्यमंत्री बनने से लेकर प्रधानमंत्री बनने के बाद तक के कार्यकाल में काफी सारी उपलब्धियां अपने नाम की है और आगे भी करते रहेंगे।

नरेंद्र मोदी जी विवाद एवं आलोचनाओं में

- सन 2002 में हुए गुजरात दंगे मोदी जी के करियर का सबसे बड़ा विवाद था, जिसके तहत आलोचकों का कहना था, कि मोदी जी इस दंगे को भड़काने के पीछे मास्टरमाइंड हैं।
- सन 2002 में तीस्ता सीतलवाड़ ने गुलबर्ग सोसाइटी में अपने पति की हत्या के लिए मोदी जी को जिम्मेदार ठहराया था।
- नरेंद्र मोदी जी का नाम इशरत जहाँ के फेक एनकाउंटर के लिए भी आया था. उन्हें इसके लिए जिम्मेदार ठहराया था।
- नरेंद्र मोदी जी के वैवाहिक स्थिति को लेकर भी आलोचकों द्वारा आलोचना की गई।
- गुजरात दंगे में चूकि मोदी जी का नाम सामने आ रहा था, इसके चलते यूनाइटेड स्टेट्स द्वारा उनका वीसा कैंसिल कर दिया गया था।
- सन 2015 में नरेंद्र मोदी जी ने 10 लाख रूपये की कीमत का एक सूट पहना था, जिसमें उनका नाम 'नरेंद्र मोदी' लिखा हुआ था. इसके लिए आलोचकों द्वारा उनकी काफी अलोचना की गई थी।
- 10 अगस्त 2018 में भारतीय संसद में पहली बार ऐसा हुआ था, कि प्रधानमंत्री की कोई टिप्पणी को राज्य सभा के रिकॉर्ड से हटा दिया गया था. राज्य सभा के उपाध्यक्ष के रूप में हरिवंशराय नारायण सिंह के चुनाव के बाद, अपने भाषण में, हरिवंश को बधाई देते हुए, पीएम मोदी ने कहा, कि चुनाव 'दो हरी' के बीच में था.

नरेंद्र मोदी जी की पसंद

- खाने में पसंद – शाकाहारी
- साहित्य में पसंद – योग करने एवं पढ़ने में
- पसंदीदा राजनेता – स्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं अटल बिहारी वाजपेयी
- पसंदीदा नेता मोहनदास करमचंद गांधी एवं स्वामी विवेकानंद

नरेंद्र मोदी की किताबें

क्र.	नरेंद्र मोदी के ऊपर लिखी गई किताबें	लेखक
1	नरेंद्र मोदी – अ पॉलिटिकल बायोग्राफी	एंडी मरीनो

2	सेंटरस्टेज : इनसाइड द नरेंद्र मोदी मॉडल ऑफ़ गवर्नेंस	उदय महुरकर
3	मोदी : मेकिंग ऑफ़ अ प्राइम मिनिस्टर : लीडरशिप, शासन एवं प्रदर्शन	विवियन फ़र्नांडिस
4	द मैन ऑफ़ द मोमेंट : नरेंद्र मोदी	एम वी कमाथ एवं कालिंदी रंदेरी
5	द नमो स्टोरी : अ पॉलिटिकल लाइफ	किंगशुक नाग
6	नरेंद्र मोदी : द गेमचेंजर	सुदेश वर्मा
7	ज्योतिपुंज	नरेंद्र मोदी जी द्वारा लिखी गई
8	एबोड ऑफ़ लव	नरेंद्र मोदी जी द्वारा लिखी गई
9	प्रेमतीर्थ	नरेंद्र मोदी जी द्वारा लिखी गई
10	केल्वे ते केलावणी	नरेंद्र मोदी जी द्वारा लिखी गई
11	साक्षीभाव	नरेंद्र मोदी जी द्वारा लिखी गई
12	सामाजिक समरसता	नरेंद्र मोदी जी द्वारा लिखी गई

नरेंद्र मोदी जी की रोचक जानकारी
बचपन में मोदी जी भारतीय आर्मी में शामिल होना चाहते थे, और उन्होंने सैनिक स्कूल में शामिल होने के लिए कोशिश भी की. लेकिन वित्तीय स्थिति अच्छी नहीं होने की वजह से वे सैनिक स्कूल में दाखिला नहीं ले सके।
17 साल की उम्र में मोदी जी ने अपना घर छोड़ दिया था और वे भारत के अलग–अलग हिस्सों में यात्रा करने के लिए गए।
प्रधानमंत्री मोदी जी ने अपना अधिकारिक निवास अपने किसी भी परिवार के सदस्य के साथ साझा नहीं किया।
उन्होंने यूनाइटेड स्टेट में इमेज मैनेजमेंट एवं पब्लिक रिलेशन पर 3 महीने का कोर्स किया था।
मोदी जी स्वामी विवेकानंद जी को बहुत मानते थे, वे उनके महान अनुयायी थे।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- नरेन्द्र मोदी (2018) *साक्षी भाव* नई दिल्ली : प्रभात प्रकाशन।
- नरेन्द्र मोदी (2018) *ज्योतिपुंज* नई दिल्ली : प्रभात प्रकाशन
- मकवाडा किशोर (2015) *सोशल हार्मनी* नई दिल्ली : प्रभात पब्लिकेशन।
- सचिव परमेश्वरन अय्यर (2019) की पुस्तक "स्वच्छ भारत रेवोलुशन" डायमंड बुक्स ने पेयजल और स्वच्छता विभाग नई दिल्ली।
- सहश्रबुद्धे विनय एवं नय्यर धीरज (2019) *मोदी सरकार नए प्रयोग नए विचार* नई दिल्ली : डायमंड बुक प्रा.लिमिटेड।
- हरीश चंद्र बर्णवाल (2019) मोदी नीति नई दिल्ली : प्रभात प्रकाशन।
- शशि थरूर (2018) *नरेंद्र मोदी और उनका भारत द पैराडॉक्सिकल प्राइम मिनिस्टर* नई दिल्ली : एलेफ बुक कम्पनी।
- हरीश चंद्र बर्णवाल (2018) *मोदी सूत्र* नई दिल्ली : ब्लूम्सबरी पब्लिकेशन।
- आलोक गुप्ता (2014) *प्रेमतीर्थ नई* दिल्ली : राज पब्लिशिंग हाउस।
- नरेन्द्र मोदी (2016) *गुजरात में आपातकाल* नई दिल्ली : प्रभात प्रकाशन।
- मोदी नरेन्द्र (2014) *नयन हे धन्य रे* पुणे : उत्कर्ष प्रकाशन।
- आलोक गुप्त (2014) *प्रेम तीरथ* नई दिल्ली : राज पब्लिशिंग हाउस।
- एम बी कामथ एवं कालिंदी रंदेरी (2014) *वक्त की मांग* नई दिल्ली : अज्ञात बाइंडिंग प्रकाशक : टाइम्स ग्रुप पब्लिकेशन।
- अरविन्द चतुर्वेदी (2018) द रियल मोदी पेपरबैक नई दिल्ली :ब्लूम्बेरी पब्लिकेशन भारत।